

प्रेषक

आर०के० मिश्र

अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

लगा में,

मुख्य वन संरक्षक

नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन

उत्तराखण्ड, देहरादून.

गण एवं पदविवरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक 10 जनवरी, 2008

विषय:- अनुसूच सं०-27 के आयोजनगत एवं वही क्षेत्र पुरोनिर्धारित योजना "नन्दादेवी शायोस्फेयर रिजर्व की स्थापना" (100 प्रतिशत फौदमु०) के अन्तर्गत वर्ष 2007-08 की वित्तीय स्वीकृति.

महोदय

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-नि०-610/35-11 दिनांक 27 अक्टूबर, 2007 तथा भारत सरकार के पत्रांक-9/13/2006-सी०एस०/वी०आर० दिनांक 05 सितम्बर, 2007 के पत्र में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि वन विभाग की "नन्दादेवी शायोस्फेयर रिजर्व की स्थापना" योजना के अन्तर्गत वार्षिक वित्तीय वर्ष में ₹ 72.86,000/- रुपये कहकर लाख खिचारी (सार मात्र) की धनराशि, जिसमें संलग्न आय-व्ययक प्रपत्र-15 के अनुसार ₹ 22.69 लाख का पुनर्विनिवेश भी सम्मिलित है, व्यय हेतु आपके निवेदन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न तर्कों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

6. उक्त स्वीकृत व्यय भारत सरकार के उपरोक्त संदर्भित पत्र द्वारा प्राप्त स्वीकृति व पत्रांक-9/13/2006-सी०एस०/वी०आर० दिनांक 12 मार्च, 2006 द्वारा गत वर्ष हेतु अनुमोदित कार्यक्रम एवं भारत सरकार के उक्त पत्र दिनांक 05 सितम्बर, 2007 में दंगित प्रतिबंधों अनुसार स्वीकृत प्रस्ताव/योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यान्वयन के लिए न किया जाये. विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-1 के शासनार्देश सं०-255/XXV/III(1)/2007, दिनांक 26 मार्च, 2007 तथा पत्र संख्या-599/XXV/III(1)/2007, दिनांक 12 जुलाई, 2007, द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/व्याप्ति शासन का अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाये. निर्माण कार्य सम्बन्धी आगमनों पर शासन स्तर का अनुमोदन पूर्व में ही प्राप्त कर लिया जाय तथा क्या आवश्यकता विद्यमानासार प्रशासनिक स्वीकृति पृथक से प्राप्त की जाय. सम्भावित व्यय की फंडिंग (ट्रेजरी) के आधार पर तथा अन्य तूटनार्थ एवं विवरण सम्यक् आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय. किसी भी प्रत्यक्ष व्यय हेतु मण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर परचेज लक्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिपातन नियम) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-पांच भाग -1 (लेखा नियम) आय-व्ययक सम्बन्धी विनियम (बजट मैनुअल), तूटन प्रीप्रोपोजिटी विभाग के शासनार्देश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनार्देश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय.
7. योजना की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान विनियम एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहाँ आवश्यकता हो शासन अधिकारी/शासन की पूर्ण स्मृति/स्वीकृति ली जाय.
8. स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष निर्माण कार्य तथा मशीनों/कम्प्यूटर आदि के कच के सम्बन्ध में प्रशासनिक स्वीकृति पृथक से प्राप्त कर ही व्यय किया जाय.
9. सम्यक् मदों के अतिरिक्त उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय करने से पूर्व गत वर्ष / समस्त सम्पादित कार्यों के सापेक्ष निर्धारित मालूम पर उपयोगिता प्रमाण पत्र तथा चालू वर्ष का बर्क प्लान प्रस्तुत कर पृथक से शासन की स्वीकृति प्राप्त की जाय. शासन द्वारा स्वीकृत प्रस्ताव/योजना के सापेक्ष निर्धारित कार्यों पर ही व्यय किया जाय तथा किसी भी स्थिति में स्वीकृत धनराशि का खर्च अन्य मद में नहीं किया जाय.

क्रमसं.....2

10. वित्तव्यवस्था के सम्बन्ध में निचमों का कड़ाई से पालन किया जाय।
11. उक्त धनराशि का आहरण भारत सरकार से धनराशि अनुमति होने के उपरान्त तथा आवश्यकता ही किया जाय तथा भारत सरकार से धनराशि प्राप्त हो जाने की पुष्टि स्वरूप सम्बन्धित विवरण शासन को भी प्रस्तुत कर दिया जाय।
12. क्षेत्र की योजना के सापेक्ष आवंटन अपने स्तर से किया जाय।
13. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को भी वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
14. अप्रयुक्त धनराशि बजट हेतुअल के प्राविधानों के अन्तर्गत सम्य सारणी के अनुसार सार्पित किया जाना सुनिश्चित किया जायगा।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 के आव-व्ययक अनुदान संख्या-27 के लेखा शीर्षक-2406-वार्निकी तथा वन्य जीवन के अन्तर्गत निम्नलिखित तालिका में प्रकृत विवरण अनुसार सुरंगत मदों के नामे डाला जायगा -

(धनराशि रु० हजार में)

योजना का नाम/लेखा शीर्षक	मानक मद	आव-व्ययक प्राविधान	वर्तमान स्वीकृति	अग्रुपित
1	2	3	4	5
2406-वार्निकी तथा वन्य जीवन	साख सीमा			
01-भरावरणीय वार्निकी तथा वन्य जीवन	24-वृक्ष निर्माण	600	600	
100-वन्य जीवन परिरक्षण	25-लघु निर्माण	2107	2256	+149पु०
01-केन्द्रीय आयोजनागत/ केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनायें	26-मशीनें और ससुरा /उपकरण और ससुरा	500	410	-90पु०
0102-मन्दादेवी नारायणेश्वर रिजर्व की स्थापना	29-अनुरक्षण	1250	3270	+2020पु०
	42-अन्य व्यय	650	750	+100पु०
	<b>योजना का चाल</b>	<b>5107</b>	<b>7286</b>	<b>+2179पु०</b>

(वर्तमान रवीकृति रु० महतर लाख छियासी हजार मात्र)

4. ये आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-425(पी) /XXVII-4/2007, दिनांक 07 जनवरी, 2008 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

अपदीय  
(आर०के० मिश्र)  
अपर सचिव

संख्या-5883(1)/सस-2-2007, तद्विनिश्चित।

परिलिखि निम्नलिखित को सुपुनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

1. महालेखाकार(लेखा एवं लेखा श्रीलता), उत्तराखण्ड, औपचार्य मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, मात्ररा, देहरादून।
2. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून।

3. अपर प्रमुख वन संरक्षक(वन्य जीव), उत्तराखण्ड, सिविल सभालय, देहरादून
4. सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून
5. अपर सचिव, वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून
6. निजी सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन
7. निजी सचिव, माननीय वन एवं पर्यावरण मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन
8. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन
9. आशुक्त, गढ़वाल मण्डल, उत्तराखण्ड
10. जिलाधिकारी, धमोली
11. कोषाधिकारी, धमोली
12. निदेशक, कोषागार एवं वित्त संचाय, देहरादून
13. राजा राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून
14. प्रवर्ती, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून
15. गाई फादल (जी)

(ओमपीठ तिवारी)  
उप सचिव



पुनर्विधायन 2007 - 08 दिनांक पर

अनुदान संख्या-27

अयोध्या

निम्नलिखित अधिकारी - मुख्य वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, उत्तराखण्ड

(घनराशि हजार रु. में)

राज्य प्राविधान तथा संस्था शीर्षक का विवरण मान्यक अंत	मान्यक मदवार अनुसूचित क्रमांक	वित्तीय वर्ष की शेष आय में अनुमानित व्यय	अनुदान (समाविष्ट वनराशि)	संक्रा शीर्षक जिसमें घनराशि स्थानांतरित किया जाना है	पुनर्विधायन के बाद स्तम्भ-5 की कुल प्रवृत्ति	पुनर्विधायन के बाद स्तम्भ-1 में अवशेष घनराशि	निष्पत्ती
1	2	3	4	5	6	7	8
2400-नगरीय तथा ग्रामीण जीवन				2400-नगरीय तथा ग्रामीण जीवन			क-आवश्यकता से हाथ के काम
02-पर्यावरणीय कानिबाई तथा वन जीवन				02-पर्यावरणीय कानिबाई तथा वन जीवन			
10-वन्य जीव परिरक्षण				10-वन्य जीव परिरक्षण			
01-केंद्रीय अखंडता				01-केंद्रीय अखंडता			ख-अनुमानित कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक
केंद्र द्वारा प्राविधानित योजनाएं				केंद्र द्वारा प्राविधानित योजनाएं			
0102-नवादेवी नवोपेक्षित रिजर्व की स्थापना				0102-नवादेवी नवोपेक्षित रिजर्व की स्थापना			
06-नगरीय और ग्रामीण	0	410	40	25-समु विमानन कार्य	2107	2156	
सुरक्षा और संरक्षण				28-अनुसंधान	1250	3270	
0103-राज्यीय एलीफेण्ट				02-अन्य व्यय	658	750	
10-द्वारा विमानन कार्य							
13644	0	11465	2116			11465	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विधायन के बाद अनुदान के प्रस्तर 150, 151, 155 एवं 156 में उल्लिखित प्रवृत्तियों का अन्तर्ग्रहण नहीं होता है।

(आर०के० मिश्र)  
अपर सचिव

अंतराखण्ड शासन  
विभागाध्यक्ष-4

संख्या-425(1)/XXVII-4/2007 दिनांक 07 जनवरी, 2008

पुनर्विधायन स्वीकृत

सेवा में

महामन्त्री, (लेखा एवं हकदारी),  
अंतराखण्ड, ओकरास मोर्टर्स बिल्डिंग,  
सहारनपुर रोड, भाजरा, देहरादून

(एम०सी०जी०सी०)  
अपर सचिव

अंतराखण्ड शासन

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

संख्या-5883(2)/एस-2-2007-12(57)/2006, दिनांक जनवरी, 2008

निम्नलिखित विनियोजित का मुख्य कार्य एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- मुख्य वन संरक्षक, अंतराखण्ड, देहरादून
- 2- मुख्य वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबंधन, अंतराखण्ड, देहरादून
- 3- राज्यीय कोषाधिकारी (मुख्य कोषाधिकारी) वित्त, अयोध्या, उत्तराखण्ड
- 4- वित्त अनुभाग-4, अंतराखण्ड शासन, देहरादून

(आर०के० मिश्र)  
अपर सचिव